

संपादक की कलम



सियासी दलों को सुप्रीम कोर्ट का सबक

सीजेआई ने दूरदर्शित आपनाते हुए अगले ही दिन प्रेस कांफ्रेंस करके स्थिति स्पष्ट कर दी ताकि राजनीतिक दल उसकी बातों का गलत मतलब नहीं निकाल पाएं और सुप्रीम कोर्ट को राजनीतिक विवाद में नहीं घसीट सके । सीजेआई सूर्यकांत ने यह भी स्पष्ट किया कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत सुप्रीम कोर्ट, प्रशासनिक स्तर पर सरकार के कामकाज में दखल नहीं दे सकता, हालांकि नेताओं को अपने मौलिक अधिकारों



ललित शर्मा
संपादक

सुप्रीम कोर्ट को इसमें नहीं घसीट लें । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर मुलाकात का समय मांगा था कि वे उन्हें एक ज्ञापन सौंपना चाहते थे जिसमें वोट चोरी रोकने, मुख्य निवचन आ्युक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, मतदाता सूची के एसआईआर को रोकने और पुनः मतपत्र प्रणाली पर लौटने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने यह मांग यह कहते हुए दुकरा दी कि यदि सुनवाई चाहते हो तो रिट याचिका दायर करो। सीजेआई ने राहुल गांधी के आधिकारिक इमेल के जवाब में कहा कि इस तरह की मुलाकात उचित नहीं होगी, क्योंकि जिन मुद्दों पर चर्चा की मांग की गई है, वे पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं। इसी के साथ सीजेआई ने दूरदर्शिता अपनाते हुए अगले ही दिन प्रेस कांफ्रेंस करके स्थिति स्पष्ट कर दी ताकि राजनीतिक दल उसकी बातों का गलत मतलब नहीं निकाल पाएं और सुप्रीम कोर्ट को राजनीतिक विवाद में नहीं घसीट सके। सीजेआई सूर्यकांत ने यह भी स्पष्ट किया कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत सुप्रीम कोर्ट, प्रशासनिक स्तर पर सरकार के कामकाज में दखल नहीं दे सकता, हालांकि नेताओं को अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायिक पक्ष में अदालत का दरवाजा खटखटाने की छूट है। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में एक दो बार ही ऐसा हुआ है, जब सुप्रीम कोर्ट की तरफ से मीडिया के जरिए कोई जानकारी दी गई है, वरना तो मीडिया ही सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और सुनवाई की जानकारी देता है। भारतीय सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में जजों द्वारा मीडिया से सीधे संवाद करने या प्रेस कॉन्फ्रेंस करने का सबसे चर्चित सफा 12 जनवरी 2018 को आया था। सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठ न्यायाधीशों जस्टिस जे. चेवेमेश्वर, जस्टिस रंजन गोंगोई, जस्टिस मदन ली. बोकूर और जस्टिस कुरियन जोसेफ ने एक ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। भारतीय न्यायिक इतिहास में यह पहला अवसर था जब वर्तमान जजों ने इस तरह मीडिया को संबोधित किया था। इन जजों ने तब के मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा के खिलाफ रोस्टर और प्रशासनिक कामकाज को लेकर सार्वजनिक सवाल उठाए थे। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट अपनी अधिकांश जानकारी और फैसले आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों, अपनी वेबसाइट और सुनवाई के जरिए ही साझा करता है। हाल के दौर में अदालत ने न्यायिक कार्यवाही के लाइव-स्ट्रीमिंग और उसके डिजिटल विलस के कमर्शियल इस्तेमाल को लेकर भी कड़े नियम तय किए हैं।

दो गज जमीन

उदय कशोर साह

कविता



जीवन भर थी दौलत की मारा मारी

जवानी गुजर गई हड़प नीति में सारी

अपराध से खड़ा किया था मैं संसार

चिरनिद्रा में सोया पड़ा हूँ कब्र में लाचार

दबंगता के बल पे कायम था रंगदारी

क्रूरता की बाजार में साख थी हमारी

कमजोर के सीने में था खड़ा व्यापार

चिरनिद्रा में सोया पड़ा हूँ कब्र में लाचार

निर्बल को रूलाना था ध्येय हमारी

हनक के काँध पे टिका था खौफ सारी

बेवकूफ बना कर हँसता था पर्व त्योंहार

चिरनिद्रा में सोया पड़ा हूँ कब्र में लाचार

जमीनों पे कब्जा था जीवन में भारी

विस्तारवाद की थी जतन सरकारी

महलों का राजा बना था मैं कर्णधार

चिरनिद्रा में सोया पड़ा हूँ कब्र में लाचार

चिरनिद्रा में सोया पड़ा हूँ कब्र में लाचार

चिरनिद्रा में सोया पड़ा हूँ कब्र में लाचार

चिरनिद्रा में सोया पड़ा हूँ कब्र में लाचार

चिरनिद्रा में सोया पड़ा हूँ कब्र में लाचार

चिरनिद्रा में सोया पड़ा हूँ कब्र में लाचार

चिरनिद्रा में सोया पड़ा हूँ कब्र में लाचार

चिरनिद्रा में सोया पड़ा हूँ कब्र में लाचार

चिरनिद्रा में सोया पड़ा हूँ कब्र में लाचार

चिरनिद्रा में सोया पड़ा हूँ कब्र में लाचार



ललित गर्ग

लेखक

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उसने जीवन के उत्सवों को केवल आनंद और उल्लास तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें आत्मचिंतन, साधना, संस्कार और जीवन-परिवर्तन का माध्यम बनाया है। यहां प्रत्येक पर्व अपने भीतर कोई न कोई शाश्वत संदेश समेटे हुए है। दशहरा अथवा विजयादशमी ऐसा ही प्रेरणाप्रद पर्व है, जो भारतीय संस्कृति की गहरी जड़ों, आध्यात्मिक परंपराओं और जीवन-दर्शन से जुड़कर मनुष्य को सत्य, साहस, सदाचार और आत्मविजय की राह दिखाता है। यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि जीवन की वास्तविक विजय दूसरों को पराजित करने में नहीं, बल्कि अपने भीतर विद्यमान दुर्बलताओं, विकारों और नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त करने में है। असत्य पर सत्य, अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर आशा और अधर्म पर धर्म की विजय का यह



डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक

महँगाई केवल बाजार में वस्तुओं की कीमतें बढ़ने का नाम नहीं है, बल्कि यह पूरी अर्थव्यवस्था की उत्पादन क्षमता, आम आदमी की क्रय शक्ति और सरकार की आर्थिक नीतियों की परीक्षा भी है। जब वस्तुओं के उत्पादन और थोक कारोबार के स्तर पर कीमतें तेजी से बढ़ती हैं, तो उसका प्रभाव धीरे-धीरे खुदरा बाजार, घरेलू बजट और औद्योगिक गतिविधियों तक पहुँचता है। भारत में थोक महँगाई का बढ़ना इसी व्यापक आर्थिक चुनौती की ओर संकेत करता है। सितंबर 2026 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महँगाई दर 11.39 प्रतिशत तक पहुँचने का आँकड़ा, यदि आधिकारिक रूप से पुष्ट है, तो यह उत्पादन लागत और आपूर्ति व्यवस्था पर बढ़ते दबाव की गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करता है। ईंधन, खाद्य पदार्थों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि इस दबाव को और व्यापक बनाती है।

थोक मूल्य सूचकांक उन वस्तुओं

उत्सव भारतीय जनमानस में सदियों से नई ऊर्जा, नया विश्वास और नया संकल्प भरता आया है।

दशहरे की सांस्कृतिक चेतना का सबसे प्रभावशाली आधार भगवान श्रीराम की रावण पर विजय है। रामायण का यह प्रसंग केवल एक ऐतिहासिक अथवा पौराणिक युद्ध की परिणति नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और अहंकार के बीच संघर्ष का शाश्वत आख्यान है। श्रीराम मर्यादा, करुणा, सत्य, कर्तव्य और धर्मनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि रावण ज्ञान, सामर्थ्य और वैभव से संपन्न होने के बावजूद अहंकार, अनियंत्रित इच्छाओं और अनैतिक आचरण का प्रतीक बन जाता है। रावण का व्यक्तित्व इस सत्य को उजागर करता है कि ज्ञान यदि विवेक से, शक्ति यदि मर्यादा से और समृद्धि यदि नैतिकता से विमुक्त हो जाए, तो मनुष्य के पतन का कारण बन जाती है। श्रीराम की विजय इसलिए महत्वपूर्ण है कि उन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपने आदर्शों का पालन्याम नहीं किया। दशहरा हमें सिखाता है कि परिस्थितियाँ कितनी ही कठिन क्यों न हों, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति अंततः समाज की आस्था और इतिहास की प्रेरणा बनता है।

भारतीय संस्कृति में दशहरे का संबंध केवल राम की विजय से नहीं, बल्कि माँ दुर्गा की महासुधार पर विजय से भी जुड़ा है। नवरात्र के नौ दिनों में शक्ति की आराधना और दसवें दिन

थोक महँगाई की मार और अर्थव्यवस्था की चुनौती

की कीमतों में होने वाले बदलाव को मापता है, जिनका कारोबार थोक स्तर पर होता है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के विपरीत, यह मुख्यतः उत्पादकों और व्यापारियों के स्तर पर कीमतों की स्थिति को दर्शाता है। थोक महँगाई में तेजी आने का अर्थ यह नहीं कि खुदरा महँगाई भी उसी अनुपात में बढ़ेगी, लेकिन यदि उत्पादन लागत लंबे समय तक ऊँची बनी रहती है, तो उसका बोझ अंततः उपभोक्ताओं तक पहुँच सकता है।

थोक महँगाई के प्रमुख कारणों में ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि सबसे महत्त्वपूर्ण है। पेट्रोलियम पदार्थों का उपयोग केवल वाहनों में ही नहीं, बल्कि कृषि, उद्योग, बिजली उत्पादन और माल ढुलवाई में भी होता है। डीजल महँगा होने से खेतों की जुताई, सिंचाई और कृषि उपज की मंडियों तक पहुँचाने का खर्च बढ़ता है। इसी प्रकार, औद्योगिक इकाइयों के लिए बिजली और ईंधन की बढ़ती लागत उत्पादन को महंगा बना देती है। जब ऊर्जा की कीमतों में लगातार वृद्धि होती है, तो उसका प्रभाव वस्तुओं के उत्पादन से लेकर उनके अंतिम उपभोक्ता तक प्रभावित करती है। पश्चिम एशिया में तनाव, अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में अनिश्चितता और आपूर्ति मार्गों में व्यवधान भारत जैसे आयात-निर्भर देश के लिए विशेष चुनौती पैदा करते हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल का असर घरेलू उत्पादन



विजयादशमी का उत्सव इस बात का प्रतीक है कि साधना के बाद सिद्धि, संघर्ष के बाद सफलता और आत्मबल के जागरण के बाद विजय का मार्ग प्रशस्त होता है। माँ दुर्गा की उपासना हमें यह संदेश देती है कि जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए शक्ति और संवेदना, साहस और विवेक तथा पराक्रम और करुणा का समन्वय आवश्यक है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में शक्ति का अर्थ केवल बाहुबल अथवा प्रभुत्व नहीं है, बल्कि आत्मबल, इच्छाशक्ति, धैर्य, आत्मसंयम और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की नैतिक क्षमता भी है। इसीलिए दशहरा शक्ति की साधना के साथ-साथ उस शक्ति के सदुपयोग का भी पर्व है।

दशहरा पर्व का आध्यात्मिक पक्ष अत्यंत गहरा है। बाहरी रावण का दहन तभी सार्थक है, जब मनुष्य अपने भीतर बैठे रावण को पहचानने और परास्त करने का साहस जुटाए। काम, क्रोध,



लागत, व्यापार संतुलन और महँगाई पर पड़ सकता है। यदि ईंधन एवं बिजली की महँगाई में वास्तव में 25.85 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है, तो यह औद्योगिक और परिवहन लागत पर गंभीर दबाव का संकेत होगा। हालाँकि, इस विशिष्ट आँकड़े की आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है।

भारत में खाद्य महँगाई का संबंध केवल मांग से नहीं, बल्कि कृषि उत्पादन, मौसम, भंडारण और वितरण व्यवस्था से भी है। अनियमित मानसून, कहीं अत्यधिक वर्षा तो कहीं सूखे जैसी स्थिति, फसलों की पैदावार को प्रभावित करती है। अतिरिक्त, कीटों का प्रकोप, सिंचाई की कमी और फसल कटाई के बाद होने वाला नुकसान भी बाजार में आपूर्ति घटा सकते हैं। जब सफ़ियों, अनाज, दालों और खाद्य तेलों की उपलब्धता मांग की तुलना में कम होती है, तो उनकी कीमतें बढ़ने लगती हैं। इसका प्रभाव खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, होटल

व्यवसाय और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन पर भी पड़ता है। खाद्य पदार्थों की महँगाई गरीब तथा मध्यमवर्गीय परिवारों को विशेष रूप से प्रभावित करती है, क्योंकि उनकी आय का बड़ा हिस्सा भोजन पर खर्च होता है। भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक बाजार से गहराई से जुड़ी हुई है। कच्चा तेल, औद्योगिक रसायन, कुछ उर्वरक, इलेक्ट्रॉनिक घटक और अनेक अन्य कच्चे माल अंतरराष्ट्रीय बाजार से खरीदे जाते हैं। जब इन वस्तुओं की वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं, तो घरेलू उद्योगों की लागत भी बढ़ती है। इसे आयातित महँगाई कहा जाता है। इसके साथ रुपये का कमजोर होना समस्या को और बढ़ा सकता है। यदि डॉलर की तुलना में रुपये का मूल्य गिरता है, तो समान मात्रा में आयात करने के लिए अधिक रुपये खर्च करने पड़ते हैं। धातुओं, प्लास्टिक, रसायनों और अन्य औद्योगिक सामग्रियों की बढ़ती कीमतें विनिर्माण क्षेत्र के लिए

शस्त्रपूजा की जाती है, नए कार्यों का शुभारंभ होता है और विजय की कामना के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संकल्प लिया जाता है। शस्त्रपूजा का वास्तविक अर्थ केवल अस्त्रों की आराधना नहीं, बल्कि शक्ति के प्रति श्रद्धा और उसके उत्तरदायी उपयोग का संकल्प है। आज के संदर्भ में हमारे शस्त्र ज्ञान, विवेक, शिक्षा, विज्ञान, श्रम, नैतिकता और सत्यनिष्ठा भी हैं। यदि इन शक्तियों का उपयोग मानवता के कल्याण के लिए किया जाए, तो वे राष्ट्रनिर्माण के प्रभावशाली साधन बन सकती हैं। दशहरा हमें अकर्मण्यता से कर्मशीलता, निराशा से आशा और निष्क्रियता से सृजनशीलता की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। यह दिन अपने अश्रुरे संकल्पों को पूरा करने, नई संभावनाओं के द्वार खोलने और जीवन को श्रेष्ठ दिशा देने का अवसर है।

दशहरे का एक महत्वपूर्ण पक्ष प्रकृति, कृषि और लोकजीवन से उसका संबंध भी है। भारतीय समाज में यह पर्व फसल, समृद्धि, ऋतु-परिवर्तन और सामुदायिक उल्लास की परंपराओं से जुड़ा रहा है। शमी वृक्ष की पूजा, उसके पत्तों का आदान-प्रदान और नए कार्यों का शुभारंभ प्रकृति के प्रति श्रद्धा तथा मरुलकामना की भावना को व्यक्त करते हैं। कृषि प्रधान भारत में फसल की समृद्धि केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि धरती, किसान और प्रकृति के परस्पर सहयोग का उत्सव भी है। यह परंपरा हमें याद

दिलाती है कि मनुष्य की प्रगति प्रकृति से अलग होकर संभव नहीं है। जिस संस्कृति ने वृक्षों, नदियों, पर्वतों और धरती में पवित्रता का अनुभव किया, उसकी उत्सवधर्मिता में पर्यावरण संरक्षण और सह-अस्तित्व की प्रेरणा भी अंतर्निहित है। आज जब पर्यावरणीय संकट मानवता के सामने गंभीर चुनौती बन रहा है, तब दशहरा हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पुनः समझने का अवसर देता है।

विजयादशमी भारतीय संस्कृति की समन्वयकारी चेतना का भी उत्सव है। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में इसे विविध रूपों में मनाया जाता है। कहीं रामलीला और रावण-दहन होता है, कहीं दुर्गापूजा के बाद मां की विदाई, कहीं शस्त्रपूजा तो कहीं लोकपरंपराओं के माध्यम से विजय का उल्लास व्यक्त किया जाता है। इन विविधताओं के पीछे एक साझा सांस्कृतिक सूत्र है-सत्य के प्रति आस्था, धर्म के प्रति निष्ठा, शक्ति के प्रति सम्मान और जीवन में मंगल की कामना। आज दशहरे के संदेश को अपने सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन में उतारना पहले से अधिक आवश्यक है। भ्रष्टाचार, हिंसा, सामाजिक विद्वेष, अनैतिक प्रतियस्धा, छलपूर्ण व्यवहार और स्वाध्परक राजनीति जैसी प्रवृत्तियाँ समाज की नैतिक शक्ति को कमजोर करती हैं। इन बुराइयों का अंत केवल भाषणों, नाराय अथवा प्रतीकात्मक आयोजनों से नहीं हो सकता।

चुनौती बन जाती हैं। आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, माल ढुलाई की लागत और कच्चे माल की समय पर उपलब्धता में कमी भी इस दबाव को बढ़ाती है।

थोक महँगाई का पहला प्रभाव उद्योगों की उत्पादन लागत पर पड़ता है। बड़ी कंपनियाँ कुछ समय तक लागत का दबाव स्वयं सह सकती हैं, लेकिन छोटे और मध्यम उद्यमों के पास ऐसा करने की क्षमता सीमित होती है। महँगे कच्चे माल और ऊर्जा के कारण उनकी लाभप्रदता घटती है। यदि वे कीमतें बढ़ाते हैं, तो मांग कमजोर हो सकती है, और यदि कीमतें नहीं बढ़ाते, तो कारोबार की आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। इसका असर उत्पादन, रोजगार और औद्योगिक विकास पर भी पड़ सकता है। दूसरा प्रभाव आम उपभोक्ता पर पड़ता है। उत्पादकों द्वारा बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालने से रोजमर्रा की वस्तुएँ महँगी हो सकती हैं। इससे परिवारों की वास्तविक क्रय शक्ति घटती है और वे गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करने लगते हैं। परिणामस्वरूप बाजार में मांग कमजोर पड़ सकती है, जिसका असर उत्पादन, रोजगार और आर्थिक विकास पर पड़ता है। महँगाई का यह दुष्पचक्र लंबे समय तक जारी रहे, तो अर्थव्यवस्था की विकास गति प्रभावित हो सकती है। कृषि क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहता। डीजल, उर्वरक, कीटनाशक और कृषि उपकरण महँगे होने से खेती की लागत बढ़ती है। यदि किसानों को अपनी उपज का उचित

मूल्य नहीं मिलता, तो उनकी आय पर दौधरा दबाव पड़ता है। दूसरी ओर, औद्योगिक निवेश भी प्रभावित हो सकता है, क्योंकि लगातार बढ़ती लागत और अनिश्चित मांग के बीच कारोबारी नई परियोजनाओं को टाल सकते हैं। इससे रोजगार के नए अवसर पैदा होने की गति धीमी पड़ सकती है। महँगाई मौद्रिक नीति के सामने भी कठिन परिस्थिति पैदा करती है। भारतीय रिजर्व बैंक को कीमतों पर नियंत्रण और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाना पड़ता है। ब्याज दरों में वृद्धि से मांग और उधारो पर दबाव पड़ सकता है, लेकिन यदि महँगाई का मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कमी या वैश्विक ऊर्जा कीमतें हों, तो केवल ब्याज दर बढ़ाने से आपूर्ति संबंधी समस्याएँ दूर नहीं होंगीं। इसलिए महँगाई की प्रकृति को समझकर ही नीतिगत कदम उठाना आवश्यक है। थोक महँगाई पर नियंत्रण के लिए सबसे पहले आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करनी होगी। कृषि उपज के भंडारण, शीतगृहों, ग्रामीण सड़कों, रेल माल ढुलाई और आधुनिक मंडियों में निवेश बढ़ाना आवश्यक है। इससे फसल कटाई के बाद होने वाला नुकसान कम होगा और वस्तुओं को बाजार तक पहुँचाने की लागत घटेगी। खाद्य पदार्थों की कीमतों में असामान्य उछाल आने पर सरकार को बफर स्टॉक का विवेकपूर्ण उपयोग, समयबद्ध बाजार हस्तक्षेप और जरूरत के अनुसार आयात-निर्यात नीति में बदलाव करना चाहिए।

पाकिस्तान बनाम बलूचिस्तान



परिणामस्वरूप जनता पर करों का बोझ और बढ़ जाता है। पाकिस्तान का कुल सार्वजनिक और वा ऋण उसकी कुल सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में खतरनाक सीमा को पार कर चुका है। स्थिति यह है कि देश के बजट का एक बड़ा हिस्सा केवल लिए गए कर्ज पर व्याज चुकाने में ही चला जाता है। ग्वादर बंदरगाह और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा जैसी परियोजनाओं के लिए बहुत कम धनराशि बचती है। क्षेत्रफल के हिसाब से पाकिस्तान के सबसे बड़े प्रांत बलूचिस्तान में लंबे समय से असंतोष सुलग रहा है, जो अब एक पूर्णकालिक संघर्ष का रूप ले चुका है। बलूचिस्तान प्राकृतिक गैस, कोयला, तांबा और सोने जैसे बहुमूल्य खनिजों से समृद्ध है, लेकिन यहाँ के स्थानीय लोगों का आरोप है कि केंद्रीय

सरकार और पाकिस्तानी सेना इन संसाधनों का दोहन तो करती है, बदले में बलूचिस्तान के लोगों को गरीबी, बेरोजगारी और भुखमरी मिलती है। बलूच नेशनल लिबरेशन आर्मी अन्य विद्रोही संगठन लगातार पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को निशाना बना रहे हैं। ग्वादर बंदरगाह और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा जैसी परियोजनाओं के खिलाफ बलूच विद्रोहियों के हमले इस बात का प्रमाण हैं कि केंद्र सरकार का नियंत्रण इस क्षेत्र में लगातार कम हो रहा है। मानवाधिकार उल्लंघन: मानवाधिकार संगठनों की रिपोर्टों के अनुसार, बलूचिस्तान में 'बलपूर्वक गायब किए जाने' और सैन्य दमनात्मक कार्रवाइयों की अनगिनत घटनाएँ हुई हैं, जिससे स्थानीय आबादी और

पाकिस्तानी राज्य के बीच की खाई पाटने योग्य नहीं बची है।

अफगानिस्तान सीमा पर तनाव और टीटीपी (TTP) का खतरा

पाकिस्तान ने रणनीतिक गहराई हासिल करने के लिए दशकों तक अफगानिस्तान में जिस छद्म युद्ध की नीति को बढ़ावा दिया था, आज वही नीति उसके अपने गले की फांस बन चुकी है। तालिबान के अफगानिस्तान की सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान और काबुल के बीच सीमा विवाद (ड्रूंड लाइन) गहराता गया है। तालिबान सरकार ने पारंपरिक रूप से ड्रूंड लाइन को अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में मान्यता नहीं दी है, जिसके चलते दोनों देशों की सेनाओं के बीच कई बार खूनी झड़पें हो चुकी हैं। तरीक-ए-तालिबान सरकार (TTP) ने खैबर पखूनख्वा और कबीलाई क्षेत्रों में पाकिस्तानी सेना के खिलाफ हिंसक अभियानों को तेज कर दिया है। पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर होने वाले आत्मघाती हमले और घात लगाकर किए जाने वाले वार ने पाकिस्तानी फौज के मनोबल को बुरी तरह तोड़ दिया है। लगातार मोर्चों (एक तरफ बलूच विद्रोही और दूसरी तरफ

अफगान सीमा पर टीटीपी व सीमाई झड़पें) पर उलझने के कारण पाकिस्तानी सेना भारी जनहानि और आर्थिक दबाव का सामना कर रही है। देश की आंतरिक सुरक्षा संभालने में विफल रही सेना अब खुद को रक्षात्मक मुद्रा में पाती है।

1971 पाकिस्तान विभाजन की पुनरावृत्ति की आहट सुनाई देने लगी है

पाकिस्तान का इतिहास गवाह है कि जब-जब केंद्र सरकार ने क्षेत्रीय आकांक्षाओं को दबाने के लिए बल प्रयोग किया है और आर्थिक-राजनीतिक रूप से देश कमजोर हुआ है, तब-तब विभाजन अपरिहार्य हो गया है। 1971 में पूर्वी पाकिस्तान (जो आज का बांग्लादेश है) की जनता पर तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान द्वारा किए गए अत्याचारों और राजनीतिक उष्णता ने एक नए राष्ट्र के उदय को जन्म दिया था। आज बलूचिस्तान और खैबर पखूनख्वा में ठीक वैसी ही स्थितियाँ बनती दिख रही हैं। बलूच नेता और राजनीतिक विक्षेपक समयबद्ध यह तर्क देते हैं कि जिस प्रकार पूर्वी पाकिस्तान अलग हुआ था, उसी प्रकार बलूचिस्तान और अन्य असंतुष्ट क्षेत्र भी अनेक बलों के अनगिनत घेरावों में अपनी स्वतंत्रता की राह चुन सकते हैं।



जिलाधिकारी कविता मीना ने प्राथमिक विद्यालय का किया औचक निरीक्षण, बच्चों से पूछे सवाल

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। जिलाधिकारी कविता मीना ने शनिवार को नगर पालिका परिषद हापुड़ क्षेत्र स्थित प्राथमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों, बच्चों को दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से बातचीत की और उनकी पढ़ाई-लिखाई से संबंधित सवाल पूछकर शैक्षणिक स्तर को परखा। निरीक्षण के दौरान शिक्षा मजबूत करना बेहद जरूरी है, ताकि आगे की पढ़ाई में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने विद्यालय में बच्चों को दिए जाने वाले मध्याह्न



ही शिक्षकों से पढ़ाई के तरीके और बच्चों की शैक्षणिक प्रगति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्राथमिक स्तर पर बच्चों की बुनियादी शिक्षा मजबूत करना बेहद जरूरी है, ताकि आगे की पढ़ाई में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने विद्यालय में बच्चों को दिए जाने वाले मध्याह्न

भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की। उन्होंने रसोईघर का निरीक्षण कर साफ-सफाई और भोजन तैयार करने की व्यवस्था का जायजा लिया। इसके अलावा विद्यालय परिसर, कक्षाओं और शौचालयों की स्वच्छता की स्थिति देखी। उन्होंने पेयजल व्यवस्था की जानकारी लेते हुए संबंधित कर्मचारियों को सभी आवश्यक

सुविधाएं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया कि विद्यालय परिसर में नियमित रूप से साफ-सफाई कराई जाए। शौचालयों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए और बच्चों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि विद्यालय में ऐसा वातावरण होना चाहिए, जहां बच्चे सुरक्षित और सुविधाजनक माहौल में पढ़ाई कर सकें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी कविता मीना ने बच्चों को मन लगाकर पढ़ने और नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का आधार है। शिक्षक बच्चों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखें, बल्कि उनकी समझ विकसित करने और सामान्य ज्ञान बढ़ाने पर भी ध्यान दें। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिए कि

प्रत्येक बच्चे की शैक्षणिक प्रगति पर नजर रखी जाए और पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों को अतिरिक्त सहयोग दिया जाए। बच्चों को नियमित अभ्यास कराने के साथ उनकी समस्याओं को समझकर उनका समाधान किया जाए, ताकि सभी विद्यार्थी बेहतर प्रदर्शन कर सकें। जिलाधिकारी ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा बच्चों के भविष्य की मजबूत नींव है। ऐसे में शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि वे पूरी निष्ठा के साथ बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराएं। विद्यालय में स्वच्छता, पेयजल और मध्याह्न भोजन सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं मानकों के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा के स्तर में सुधार और विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रतापगढ़ में नवनिर्मित आरक्षी बैरक का उद्घाटन, 47 लाख की लागत से निर्माण



विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। जिले में पुलिसकर्मियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में नवनिर्मित आरक्षी बैरक का उद्घाटन किया गया। पुलिस महानिदेशक रेलवे उत्तर प्रदेश प्रकाश डी ने विधिवत रूप से बैरक का उद्घाटन किया। पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी ने बताया

कि नवनिर्मित आरक्षी बैरक का निर्माण करीब 47 लाख रुपये की लागत से कराया गया है। इस बैरक के तैयार होने से पुलिसकर्मियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और उन्हें रहने में काफी सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण है, ताकि वे अपनी जिम्मेदारियों का

निर्वहन बेहतर तरीके से कर सकें। नवनिर्मित बैरक से पुलिसकर्मियों को सुविधाजनक आवासीय व्यवस्था मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान रेलवे पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की मौजूदगी रही। उद्घाटन के साथ ही पुलिसकर्मियों को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक और कदम उठाया गया।

यूनिवर्सल एकेडमी में रामनवमी एवं विजयदशमी की धूम, श्रीराम के आदर्शों और कन्या पूजन से गूंजा संस्कारों का संदेश

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

बिजनौर। यूनिवर्सल एकेडमी, बिजनौर में रामनवमी एवं विजयदशमी के पावन पर्वों के उपलक्ष्य में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सत्य, धर्म, साहस और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया। विशेष सभा के माध्यम से विद्यार्थियों को दोनों पर्वों के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक महत्व से परिचित कराया गया। विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम के जीवन आदर्शों को प्रस्तुत करते हुए सत्य, मर्यादा, अनुशासन, विनम्रता, बड़ों के सम्मान तथा कर्तव्यनिष्ठा जैसे मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। विद्यार्थियों ने बताया कि रामनवमी भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती है, जबकि विजयदशमी अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। इन पर्वों का



संदेश है कि मनुष्य को सदैव सत्य और न्याय के मार्ग पर चलना चाहिए तथा अपने भीतर की नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त करनी चाहिए। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अनुज त्यागी उप-प्रधानाचार्या सुश्री खुशबू कर्णवाल ने पर्वों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा एक जिम्मेदार, अनुशासित और संवेदनशील नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम

का समापन कार्यक्रम के समापन पर नौ कन्याओं को हलवे का प्रसाद वितरित कर श्रद्धापूर्वक कन्या पूजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के एक्टिविटी इंचार्ज अभिलाष, अनीता शिक्षिकाओं सुमन मैम, फराह मैम के मार्गदर्शन में किया गया। यूनिवर्सल एकेडमी निरंतर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनमें संस्कार, चरित्र निर्माण और सांस्कृतिक चेतना विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आवारा कुत्तों और बंदरों का आतंक, 14 लोग पहुंचे अस्पताल



कांथला (मोहसिन रहमानी)। नगर एवं क्षेत्र में आवारा कुत्तों, बंदरों और बिल्लियों का आतंक बढ़ता जा रहा है। इनके हमलों में महिला, पुरुष और बच्चे घायल हो रहे हैं। शनिवार को एक दर्जन से अधिक लोगों को एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई गई। इससे लोगों में चिंता बनी हुई है किचिकित्सक गौरव कुमार ने बताया कि आवारा जानवरों के काटने से घायल होकर कई लोग अस्पताल पहुंचे। इनमें कांथला के रिहान, रिजवान, शाहिद, आमान, कान्हा और आरिश, भभीसा के सत्यवीर, ऐलम की शकीला, गढ़ी



श्याम के सोनू और कुसुम, सुन्ना शाहजान, मोमला के हिमांशु, ब्रह्मखेड़ा की रितु तथा माल्हीपुर के अरहम शामिल हैं। सभी को एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई गई और आवारा जानवरों से दूर रहने की सलाह दी गई। कस्बा निवासी आशीष, सुरेश, सादिक, वसीम, नवाब सहित अन्य लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से आवारा कुत्तों और बंदरों पर अंकुश लगाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

झगड़े के मामलों में छह लोगों का चालान, न्यायालय में पेश

कांथला। पुलिस ने शनिवार को अलग-अलग स्थानों पर झगड़ा करने के मामलों में छह लोगों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की। पुलिस ने सभी आरोपियों का चालान कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस के अनुसार, थाना क्षेत्र के कस्बा एलम में मकान के बंटवारे को लेकर दो भाइयों कासिम और आजम के बीच विवाद होने की सूचना मिली थी। इसके अलावा शाकिर, सदाकत और अन्य लोगों के झगड़े के मामलों में भी पुलिस ने कार्रवाई की। वहीं, गांव भारसी निवासी अमित पुत्र पूल कुमार पर पत्नी के साथ मारपीट करने का आरोप है। अलग-अलग स्थानों पर विवाद की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संबंधित लोगों को हिरासत में लेकर कार्रवाई की। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि नगर और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। किसी भी कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

डीएम कविता मीना ने नवीन मंडी स्थल का किया औचक निरीक्षण

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा

हापुड़। जनपद में धान खरीद व्यवस्था को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी कविता मीना ने नवीन मंडी स्थल, हापुड़ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने धान खरीद केंद्रों पर पहुंचकर खरीद प्रक्रिया, किसानों की उपज की तौल, नमी मापने की व्यवस्था और भुगतान की स्थिति का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए कि किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो और उनकी उपज की खरीद निर्धारित नियमों के अनुसार सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मंडी में धान की आवक की जानकारी ली। उन्होंने नमी मापक यंत्रों और तौल कांटों की कार्यप्रणाली का निरीक्षण करते हुए संबंधित कर्मचारियों से खरीद प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि धान की गुणवत्ता की जांच और तौल निर्धारित मानकों के



अनुसार की जाए, ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके और खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। जिलाधिकारी कविता मीना ने मंडी में मौजूद किसानों से सीधे बातचीत कर धान खरीद व्यवस्था और भुगतान की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने किसानों से पूछा कि उन्हें अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की समस्या तो नहीं आ रही है और खरीद केंद्रों पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्य किया जा रहा है या नहीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को शिकायतों को गंभीरता से

लिया जाए और उनका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। खरीद केंद्रों पर किसानों को अनावश्यक रूप से इंतजार न करना पड़े तथा उनकी उपज की तौल में देरी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने धान खरीद केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए कि किसानों की उपज की तौल समय से कराई जाए और नियमानुसार 48 घंटे के भीतर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि भुगतान प्रक्रिया में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। किसानों को उनकी उपज का

नहीं छात्राओं ने धारण किया मां दुर्गा का स्वरूप, महिषासुर वध का मंचन

कांथला। संत गोरखनाथ चिल्ड्रन एकेडमी में नवरात्रि के पावन पर्व पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें नहीं छात्राओं ने मां दुर्गा और नवदुर्गा के विभिन्न स्वरूप धारण कर महिषासुर वध का सजीव मंचन किया। छात्राओं की प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में विद्यालय का वातावरण भक्तिमय हो गया। छात्राओं ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से बुराई पर अच्छाई की जीत और नारी शक्ति का संदेश दिया। विद्यालय प्रबंधक क्षितिज मित्तल और प्रभाचायां कुमारी रंजना मित्तल ने देवी स्वरूप में सजी छात्राओं का विधिवत पूजन किया तथा देश और क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और मंगल की कामना की। प्रबंधक क्षितिज मित्तल ने कहा कि नारी शक्ति का स्वरूप है और उसका सम्मान करना बलेक व्यक्ति का कर्तव्य है। महिलाओं की सुरक्षा, गरिमा और स्वाभिमान को रक्षा के लिए समाज को जागरूक रहना चाहिए।

मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को किया गया जागरूक



कांथला (मोहसिन रहमानी) शनिवार को नगर के थाना परिसर में मिशन शक्ति अभियान के तहत कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय भभीसा की छात्राओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस टीम ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, अधिकारों और साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। थाने पर तेनात ब्राइम निरीक्षक राजीव कुमार ने छात्राओं को संबोधित करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी भी परेशानी या अपात स्थिति में छात्रा पुलिस की सहायता

ले सकती हैं। इसके साथ ही उन्होंने साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने, अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने और किसी के साथ ओटीपी साझा नहीं करने की सलाह दी। पुलिस टीम ने मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्य बताते हुए महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और किसी भी समस्या की स्थिति में बिना धरपार संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान विद्यालय की शिक्षिका पूजा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

असदपुर जिडाना में वृद्धा की हत्या का मुकदमा दर्ज

कानों के कुंडल लूटने का आरोप, खुलासे की मांग पर परिजनों ने किया जात लगाने का प्रयास

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी



घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इस दौरान वृद्धा का शव गन्ने के खेत में पड़ा मिला। आरोप है कि उनके दोनों पैर रस्सी से बंधे हुए थे और गले में फंदा लगा हुआ था। मृतका के कानों से जेवरों की गायब थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। शनिवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचा तो परिजनों ने हत्याकांड के जल्द खुलासे की मांग की

और जाम लगाने का प्रयास किया। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों को जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि महिला के पुत्र की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले के खुलासे के लिए पुलिस टीम गठित की गई है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।



एसआरएम विश्वविद्यालय में ‘शक्ति उत्सव 2026’ एवं डांडिया नाइट का भव्य आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, दिल्ली-एनसीआर परिसर में ‘शक्ति उत्सव 2026’ एवं डांडिया नाइट का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति, परंपरा, लोककला और नारी शक्ति के प्रतीकात्मक स्वरूप को विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

इस अवसर पर डॉ. एस. विश्वनाथन, निदेशक, एसआरएमआईएसटी, दिल्ली-एनसीआर परिसर, गाजियाबाद तथा डॉ. आर. पी. महापात्र, डीन, दिल्ली-एनसीआर परिसर की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्देश्य



विद्यार्थियों में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, पारंपरिक कलाओं तथा सामूहिक सहभागिता की भावना को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत एवं उद्घाटन के साथ हुआ। इसके पश्चात राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति पर आधारित ‘रंग-ए-राजस्थान’ की

प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में शक्ति यात्रा तथा शक्ति वंदना के माध्यम से देवी उपासना और नारी शक्ति के महत्व को रेखांकित किया गया। देवी पूजन एवं आरती ने आयोजन को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गरिमा प्रदान की। इसके बाद विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और

प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। ‘आदिशक्ति - नाट्य मंचन’ कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा, जिसमें भारतीय परंपरा में शक्ति के स्वरूप और उसके महत्व को प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त पुरस्कार वितरण समारोह और दीप रंगोली के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रतिभा,

रचनात्मकता तथा कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का समापन ‘रास-ए-रंग’ के अंतर्गत गरबा एवं डांडिया रास के साथ हुआ। विद्यार्थियों और उपस्थित प्रतिभागियों ने पारंपरिक संगीत एवं नृत्य के माध्यम से उत्सव में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। एसआरएमआईएसटी, दिल्ली-एनसीआर परिसर में आयोजित यह उत्सव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति, परंपरा और जीवन-मूल्यों का संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है।

ट्रिनिटी स्कूल में रावण दहन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ट्रिनिटी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, अबुपुर, मुरादनगर में दशहरे के पावन अवसर पर भव्य रावण दहन समारोह का आयोजन बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक रैलियाँ निकालीं और जय श्रीराम के नारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा एक आकर्षक नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें भगवान श्रीराम द्वारा रावण वध तथा सत्य की असत्य पर विजय का संदेश दिया गया।

रावण दहन के माध्यम से बच्चों को यह प्रेरणा दी गई कि अंततः विजय सदैव सत्य, धर्म और अच्छाई की ही होती है। कार्यक्रम



का शुभारंभ विद्यालय के चेयरपर्सन संदीप रोहेला एवं श्रीमती रितु गोयल ने प्रभु श्री राम का तिलक करके किया। इस अवसर पर विद्यालय की डिप्टी वाइस प्रिंसिपल नैना रस्तोगी मैम, वाइस प्रिंसिपल शिखा गोयल मैम तथा समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण

योगदान दिया। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए मनोरंजन के साथ-साथ संस्कार, नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति से जुड़ने का एक प्रेरणादायक अवसर बना। संदेश: ‘बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंत में विजय सदैव सत्य और अच्छाई की होती है।’

बाल-बाड़ी पब्लिक स्कूल में विजयदशमी के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक और रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। बाल-बाड़ी पब्लिक. पब्लिक स्कूल, कादराबाद मोदीनगर में विजयादशमी के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक और रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें नौनहालों ने रामलीला का जीवंत मंचन कर दिया तथा अपने अभिनय क्षमता का परिचय देते हुये इस दौरान डांडिया नृत्य, माँ दुर्गा की नौ रूप की झांकियां एवं मेघनाद कुम्भकर्ण

रावण का वध का मंचन आकर्षण का केन्द्र रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल प्रबंधक संजय जैन, निदेशक विनय रुहेला, व प्रधानाचार्य श्रीमती डा० नीरू जोशी ने सयुक्त रूप से दीप प्रचलित द्वारा किया। तथा रावण के

विद्यालय में उपस्थित सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को पूर्णतः निर्वह किया। इस आयोजन में छात्र-छात्राओं की माताओं का विशेष योगदान रहा।

ग्राम शकूरपुर में जनसंपर्क अभियान के दौरान विपिन कुमार चौधरी को मिला ग्रामीणों का अपार समर्थन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ग्राम शकूरपुर, मोदीनगर में पूर्व ब्लॉक प्रमुख भोजपुर विपिन कुमार चौधरी एवं पूर्व विधायक मोदीनगर राजपाल सिंह ने जनसंपर्क अभियान के तहत ग्रामीणों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार एवं उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों से ग्रामवासियों को अवगत कराया। जनसंपर्क के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि एवं गरीब कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा की गई।



साथ ही, योगी सरकार द्वारा प्रदेश में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क एवं आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, किसानों के हितों तथा जनकल्याण के लिए किए

जा रहे प्रयासों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर विपिन कुमार चौधरी ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए क्षेत्र के विकास, जनसमस्याओं के समाधान और जनता के बीच निरंतर संपर्क

बनाए रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्राम शकूरपुर के ग्रामीणों ने पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन कुमार चौधरी के प्रति अपना विश्वास व्यक्त करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में उन्हें पूर्ण समर्थन एवं सहयोग देने का भरपूर दिलाया। ग्रामीणों के उत्साह और आत्मीय स्वागत से कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण रहा। इस अवसर पर महेश प्रधान जी, पूर्व प्रधान सतपाल सिंह, पूर्व प्रधान सूरजपाल सिंह, मेहरपाल सिंह जी, बब्बल जी, संजीव जी, वेदप्रकाश पंडित जी सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्राम शकूरपुर में मिला ग्रामीणों का समर्थन जनसंपर्क अभियान की प्रमुख उपलब्धि रहा।

ग्राम डिमौली में सामाजिक समरसता की बैठक आयोजित, समाज में एकता और भाईचारे पर दिया जोर



वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। सिवालखास विधानसभा के ग्राम डिमौली में सामाजिक समरसता को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता श्री राम रतन सैनी ने की तथा संचालन मास्टर दिनेश पाल ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व प्रदेश महासचिव रणवीर दहिया एवं प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती संगीता दोहरे उपस्थित रहीं। इस दौरान रवि भारत चिकारा एवं मोनू

हिंडाला ने भी सभा को संबोधित किया। बैठक में सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे, सामाजिक एकता एवं सभी वर्गों के बीच परस्पर सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने समाज में आपसी सद्भाव बनाए रखने तथा मिल-जुलकर सामाजिक विकास में योगदान देने का आह्वान किया। बैठक का उद्देश्य समाज में एकता, समानता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना रहा। सामाजिक समरसता ही मजबूत समाज की नींव है।

रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद निहार द्वारा भंडारे का सफल आयोजन, 950 लोगों को भोजन कराया गया



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। माता रानी की कृपा से रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद निहार द्वारा शनिवार को महाराजा अग्रसेन रसोई, डायमंड बैकवेट के पास, गाजियाबाद में भंडारे का सफल आयोजन किया गया। इस सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 950 लोगों को भोजन कराया गया। इस आयोजन का उद्देश्य सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को बढ़ावा

देना था। कार्यक्रम रोटरी के सेवा भाव और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रतिबद्धता का एक सहायक उदाहरण रहा। कार्यक्रम में एजी रोटेरियन अजय शर्मा, डीडीजेड रोटेरियन अभिषेक जंदल तथा लेटर्स डू रोटरी की ऑर्डिनेटर रोटेरियन ललित शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में रोटेरियन राजीव के. सूद, रोटेरियन पुनीत मेहता, रोटेरियन सुनील के. शर्मा तथा ललित सेहरा उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त रोटरी

क्लब ऑफ गाजियाबाद से रोटेरियन उत्कर्ष अग्रवाल, रोटेरियन राज कुमार तथा रोटेरियन तरुण अग्रवाल ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस भंडारे के आयोजन में श्रीमती अलका साहनी, अंशु साहनी एवं उनके परिवार का विशेष सहयोग रहा। क्लब ने प्रायोजकों, अतिथियों, सभी रोटेरियन साथियों और आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

मुजफ्फरनगर, शामली के विभज्ज क्षेत्रों में दिनेश कुमार गोयल एम.एल.सी. प्रत्याशी ने किया जनसम्पर्क



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मुजफ्फरनगर, शामली के विभज्ज क्षेत्रों में दिनेश कुमार गोयल एम.एल.सी. प्रत्याशी ने जनसम्पर्क किया। मुजफ्फरनगर स्थित भाजपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी एवं पश्चिम क्षेत्रीय मंत्री वरुण गोयल के नेतृत्व में एम.एल.सी. स्नातक चुनाव की कोर टीम एवं मॉनिटरिंग टीम के सदस्यों के साथ संवाद किया। शामली स्थित जसाला फार्म हाउस पर उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट

मंत्री एवं सात बार के विधायक चौधरी वीरेंद्र सिंह चौहान एवं जिलाध्यक्ष रामजी लाल कश्यप के साथ 30 गांवों के सम्मानित ग्राम प्रधानों की उपस्थिति में एम.एल.सी. स्नातक चुनाव के संबंध में संवाद किया। इस दौरान चुनाव से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई तथा आगामी 23 अक्टूबर 2026 को होने वाले मतदान के संबंध में विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी सम्मानित ग्राम प्रधानों एवं गणमान्य व्यक्तियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर आई 84 शिकायतों में से सिर्फ 6 का निस्तारण

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तहसील में एडीएम की अध्यक्षता में तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 84 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिसमें से मौके पर 6 शिकायतों का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए।

लोगों ने क्षेत्र में चल रहा मिट्टी खनन का मामला पुरजोर उठाया गया। एसडीएम ने जांच कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। संपूर्ण समाधान दिवस पर 21 पुलिस विभाग, 34 राजस्व विभाग, 29 अन्य विभाग की समस्याएं आईं जिनमें से तीन समस्याओं का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक



कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए। तहसील दिवस को शासन के निर्देशों के अनुरूप मिशन शक्ति /पिक समाधान दिवस के रूप में आयोजित किया गया। इस दौरान उपजिलाधिकारी श्रीमती कोमल

पंवार, तहसीलदार रजत सिंह, मुकेश शर्मा नायब तहसीलदार सहित पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर लूट करने वाला 10 हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार



कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। क्राइम ब्रांच और भोजपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को पुलिस मुठभेड़ के दौरान 10 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

पुलिस के अनुसार, किलहौड़ा बॉर्डर पर चेकिंग के दौरान बाइक सवार को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उसने भागने का प्रयास किया। बाइक फिसलकर गिरने के बाद आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राज उर्फ राजेंद्र पांडे (22), निवासी



न्यू कौंडली, दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने 28 जुलाई 2026 को भोजपुर क्षेत्र में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। उसके कब्जे से लूटा गया मोबाइल, अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और चोरी की यामाहा एफजेड बाइक बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ करीब आधा दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

नगर आयुक्त की अध्यक्षता में टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक, वेंडरों के सत्यापन के लिए बनी समिति

दो दिन में सत्यापन पूरा कर रिपोर्ट देने के निर्देश, अन्य जोन में भी वेंडिंग व्यवस्था को लेकर बनेगी योजना



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शहर को जाम मुक्त बनाने और पथ विक्रेताओं को व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम ने कवायद तेज कर दी है। नगर निगम मुख्यालय में शनिवार को नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की अध्यक्षता में हुई टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक में पथ विक्रेताओं के सत्यापन, वेंडिंग जोन के विकास और कियोस्क आवंटन को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में तय किया गया कि कौशांबी में बनाए

जा रहे कियोस्क के आवंटन में पुराने पथ विक्रेताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए पहले उनका सत्यापन कराया जाएगा। साथ ही शहर के सभी पथ विक्रेताओं का नगर निगम के 311 पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण भी अनिवार्य किया जाएगा। नगर निगम कौशांबी में पथ विक्रेताओं के लिए वेंडिंग जोन विकसित कर रहा है। यहां 100 से अधिक कियोस्क बनाने का कार्य अंतिम चरण में है। इन्हें पथ विक्रेताओं को उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। आवंटन में



किसी तरह की गड़बड़ी न हो और पात्र पुराने विक्रेताओं को प्राथमिकता मिल सके, इसके लिए नगर आयुक्त ने सत्यापन समिति गठित की है। समिति को दो दिन के भीतर सत्यापन पूरा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

समिति में अपर नगर आयुक्त अनीन्द्र कुमार, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अनिरुद्ध कुमार, नगर निगम उपाध्यक्ष एवं पार्षद प्रवीण चौधरी, परियोजना अधिकारी रजनी सिंह, क्षेत्रीय यातायात निरीक्षक, वेंडर तेजपाल सिंह

फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की धमाकेदार जीत, रॉयल स्ट्राइकर्स 59 रन पर ढेर



कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। आज क्रिकेट मैच में फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रॉयल स्ट्राइकर्स इंदिरापुरम की टीम फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की घातक गेंदबाजी के सामने टिक नहीं सकी और 59 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से समर ने 21 और शुभ ने 14 रन बनाए।

फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की ओर से आराध्या शेरवत ने तीन विकेट झटके, जबकि वन्या और यश ने दो-दो विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। शानदार गेंदबाजी के लिए आराध्या शेरवत को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

ओर से शुभ ने चार और पीयूष ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल स्ट्राइकर्स इंदिरापुरम की टीम फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की घातक गेंदबाजी के सामने टिक नहीं सकी और 59 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से समर ने 21 और शुभ ने 14 रन बनाए। फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की ओर से आराध्या शेरवत ने तीन विकेट झटके, जबकि वन्या और यश ने दो-दो विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। शानदार गेंदबाजी के लिए आराध्या शेरवत को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

ग्रेटर नोएडा में दर्दनाक हादसा: एक ही परिवार के पांच लोगों की संदिग्ध मौत, तीन मासूम भी शामिल

नगला पदम गांव में पति-पत्नी और तीन बच्चों की मौत से मचा हड़कंप, नूडल्स खाने के बाद बिगड़ी थी तबीयत की आशंका



कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा(वेलकम इंडिया)। रबपुरा थाना क्षेत्र के नगला पदम गांव में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। मृतकों में 37 वर्षीय महेश, उनकी पत्नी ललिता और तीन मासूम बच्चे शामिल हैं। बच्चों की उम्र 11, सात और तीन



वर्ष बताई गई है। एक साथ पांच मौतों की सूचना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। प्रारंभिक जानकारी के



मुताबिक, परिवार ने रात में नूडल्स खाए थे। इसके बाद मौत होने की आशंका के चलते प्रथम दृष्टया फूड

पॉइजनिंग की संभावना जताई जा रही है, हालांकि मौत की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं है। सूचना

मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए। पांचों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही पांचों की मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

राजनगर एक्सटेंशन के सीएनजी पंप पर ऑटो चालक की बेरहमी से पिटाई, वीडियो वायरल



कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। राजनगर एक्सटेंशन स्थित एक सीएनजी पंप पर ऑटो में गैस भरवाने को लेकर विवाद होने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि चार से पांच लड़कों ने एक ऑटो चालक की बेरहमी से पिटाई कर दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में कुछ युवक ऑटो चालक के साथ मारपीट

करते दिखाई देने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि सीएनजी पंप पर गैस भरवाने को लेकर शुरू हुआ विवाद मारपीट में बदल गया। घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। हालांकि, विवाद की वास्तविक वजह, घटना के समय और मारपीट में घायल ऑटो चालक की स्थिति के संबंध में अभी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

पुलिस की ओर से मामले में कार्रवाई और जांच की आधिकारिक पुष्टि होने का इंतजार है।

मोदीनगर में दो पक्षों के बीच मारपीट, पिता-पुत्र घायल; घटना का वीडियो सामने आया



कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। मोदीनगर की मंगल विहार कॉलोनी में रास्ते से निकलने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। कहासुनी के बाद दोनों पक्षों में मारपीट हुई। इस दौरान लाठी-डंडे और पत्थर चलने का वीडियो भी सामने आया है। घटना में एक पक्ष के पिता-पुत्र घायल हो गए। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है।

पुलिस के अनुसार, थाना मोदीनगर की मोदीपोन चौकी क्षेत्र स्थित मंगल विहार कॉलोनी में दो पक्षों के बीच



झगड़े की सूचना मिली थी। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। प्रारंभिक जांच में रास्ते से निकलने को लेकर विवाद होने की बात सामने आई। मारपीट में शिकायतकर्ता और उनके पुत्र निखिल को आंशिक चोटें आई हैं। दोनों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

पुलिस ने शिकायतकर्ता की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामले में तीन लोगों को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल पर शांति व्यवस्था कायम है।

गाजियाबाद के छात्र रुद्र की मौतरोहतांग की पहाड़ियों में दर्दनाक हादसा

स्कूल दूर पर गया था 11वीं का छात्र, परिजनों ने स्टाफ पर लापरवाही और सूचना नहीं देने का लगाया आरोप

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। गोविंदपुरम स्थित ब्राइटलैंड पब्लिक स्कूल के शैक्षिक भ्रमण पर रोहतांग गए कक्षा 11वीं के छात्र रुद्र की पहाड़ी से गिरकर मौत हो गई। हादसे की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने स्कूल प्रबंधन और स्टाफ पर लापरवाही बरतने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

जानकारी के अनुसार, स्कूल का दूर 11 अक्टूबर को रवाना हुआ था। अगले दिन रोहतांग में भ्रमण के दौरान छात्र रुद्र पहाड़ी से गिर गया। इस हादसे में उसकी जान चली गई। परिजनों का आरोप है कि स्कूल स्टाफ ने घटना की जानकारी उन्हें समय पर नहीं दी। इसको लेकर परिवार ने स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था और जिम्मेदार लोगों की भूमिका पर



मृतक

सवाल उठाए हैं। घटना के बाद छात्र की मौत को लेकर परिजनों में नाराजगी है। परिवार हादसे से जुड़े घटनाक्रम की स्पष्ट जानकारी चाहता है। हालांकि, घटना के कारणों और लापरवाही के आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

खाद्य प्रसंस्करण से आत्मनिर्भर बनेंगे युवा, मिलेगा एक लाख तक अनुदान



कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। मुरादनगर ब्लॉक के सिखेड़ा हजारी गांव में मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र गाजियाबाद की ओर से आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शिवा ने फीता काटकर किया। इसमें 30 लाभार्थियों ने प्रतिभाग किया।

केंद्र प्रभारी देशमुख कुमार ने विभागीय योजनाओं, खाद्य प्रसंस्करण



इकाई स्थापित करने और अनुदान प्राप्त करने की जानकारी दी।

विशेषज्ञ आरके सिंह और राकेश कुमार ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग लगाने के तरीके बताए। डीआरपी वंदना रानी और दीपेंद्र कुमार ने आवश्यक लाइसेंस, ऋण और वित्तीय प्रबंधन के बारे में समझाया। प्रशिक्षण में मसाला पैकिंग,

अचार, जैम, मुरब्बा, सॉस, पापड़, आलू चिप्स सहित विभिन्न खाद्य उत्पादों के निर्माण की जानकारी दी गई।

योजना के तहत उद्योग स्थापित करने के लिए अधिकतम एक लाख रुपये के अनुदान की जानकारी भी दी गई। दूसरे दिन प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

साहिबाबाद प्लॉट विवाद में आयुष हत्याकांड: तीन आरोपी और एक महिला गिरफ्तार



● फायरिंग में युवक की हुई थी मौत, पुलिस ने चार आरोपियों को दबोचा; अन्य की तलाश जारी

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। साहिबाबाद थाना क्षेत्र में प्लॉट पर काम कराने को लेकर हुए विवाद में आयुष वाल्मीकि की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों और एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 16 अक्टूबर को मोहन नगर स्थित प्लॉट नंबर 247 पर निर्माण कार्य के दौरान दो पक्षों में विवाद हुआ था। आरोप है कि इस दौरान राहुल साहनी, नोमिता शर्मा,

नरेश अरोड़ा, राहुल शर्मा और उनके साथ आए अन्य लोगों ने गोली-गोलौज करते हुए मजदूरों से काम कराने का विरोध किया। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने कथित तौर पर असलहों से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इसमें आयुष को गोली लग गई। उसे नरेंद्र मोहन अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर साहिबाबाद थाने में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने नरेश अरोड़ा और राहुल शर्मा को प्लॉट से, नोमिता शर्मा को उनके घर के बाहर तथा राहुल साहनी को एमएमजी अस्पताल से उपचार के दौरान गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गई हैं।

जीडीए कार्यालय भवन के निर्माण में लापरवाही पर सख्त रुख, ठेकेदार पर कार्रवाई के निर्देश

बुनकर मार्ट-एक्सपो सेंटर के निर्माण की प्रगति पर जताया संतोष, समयसीमा में काम पूरा करने पर जोर



कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने मधुबन-बापूधाम योजना में निर्माणाधीन नवीन कार्यालय भवन और बुनकर मार्ट-कम-एक्सपो एवं कन्वेंशन सेंटर का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। नवीन कार्यालय भवन के निर्माण



में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने और लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए संबंधित ठेकेदार के खिलाफ अनुबंध की शर्तों के अनुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को लॉबित कार्यों की प्रार्थमिकता से पूरा कराने और निर्माण की गुणवत्ता से समझौता नहीं करने के निर्देश दिए गए। वहीं, बुनकर मार्ट-कम-एक्सपो एवं कन्वेंशन सेंटर के निर्माण कार्य में

अच्छी प्रगति पर अधिकारियों और निर्माण टीम के प्रयासों की सराहना की गई।

जीडीए ने स्पष्ट किया कि दोनों परियोजनाओं में निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए परियोजनाओं को तय समयसीमा में पूरा कराया जाए, ताकि विकास कार्यों का लाभ समय पर मिल सके।

हनुमान जी ने जलाई सोने की लंका, विभीषण ने ली प्रभु राम की शरण

सुग्रीव से मित्रता के बाद प्रभु राम ने किया बाली का वध, राजनगर रामलीला में हुआ लंका दहन का मंचन

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। श्री रामलीला समिति, राजनगर की ओर से आयोजित श्री राम महोत्सव में वनवास के दौरान प्रभु श्रीराम और हनुमान जी की भेंट, सुग्रीव से मित्रता, बाली वध, सीता माता की खोज और लंका दहन के प्रसंगों का भावपूर्ण मंचन किया गया। प्रभु श्रीराम की आज्ञा से हनुमान जी समुद्र पार कर लंका पहुंचे और अशोक वाटिका में माता सीता को



प्रभु की मुद्रिका देकर उनका संदेश सुनाया। इसके बाद वाटिका में उत्पात



मचाने पर रावण के सैनिकों ने उन्हें पकड़कर दरबार में पेश किया। रावण के आदेश पर हनुमान जी की पूंछ में



आग लगाई गई, जिसके बाद उन्होंने पूरी लंका में आग लगा दी। वहीं, रावण द्वारा अपमानित किए जाने पर विभीषण

ने लंका त्यागकर प्रभु श्रीराम की शरण ली। कार्यक्रम में दिल्ली से आए

रश्मिरेथी दल ने शास्त्रीय नृत्य रूपक रामचरित-के माध्यम से संपूर्ण रामकथा प्रस्तुत की, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इस अवसर पर समिति के संस्थापक सदस्य एवं संरक्षक जितेंद्र यादव (पूर्व विधायक), अध्यक्ष जय कुमार गुप्ता, महामंत्री दीपक मित्तल, कोषाध्यक्ष आरके शर्मा, मुख्य संयोजक राकेश मिश्रा सहित समिति के पदाधिकारी, स्थानीय पार्षद प्रवीन चौधरी और राजनगर के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

समाधान दिवस में 155 में से सिर्फ 16 का मौके पर निस्तारण

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए शनिवार को जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मंदड़ के निर्देशन में जिले की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान सदर, लोनी और मोदीनगर तहसीलों में कुल 155 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 16 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपे दिए नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए। मोदीनगर

तहसील में एडीएम एलए अनीशी सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां विभिन्न विभागों से संबंधित 84 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से छह का मौके पर निस्तारण किया गया। इस दौरान एसडीएम मोदीनगर कोमल पंवार, तहसीलदार और राजस्व, पुलिस, नगर निगम, स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। सदर तहसील का समाधान दिवस रोहरी क्लब गाजियाबाद में एडीएम सिटी विकास कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।